Edit with WPS Office

आंध्रा एसोसिएशन स्कूल प्रस्तुति : पूजा भगत

पाठ - 7

बलिदान

(कथा सागर)

पृष्ठ संख्या -37

1

Edit with WPS Office

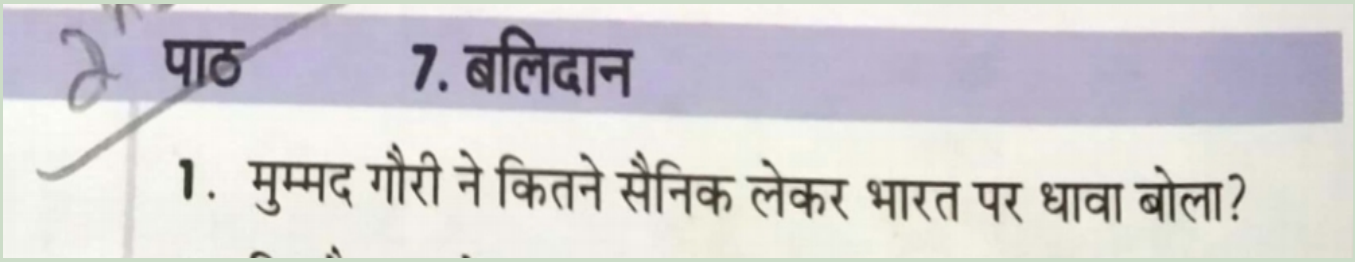
पाठ 7. बलिदान

1. मुम्मद गौरी ने कितने सैनिक लेकर भारत पर धावा बोला?

उत्तर :- मुम्मद गोरी ने नौ लाख सैनिकों को लेकर भारत पर धावा बोला।

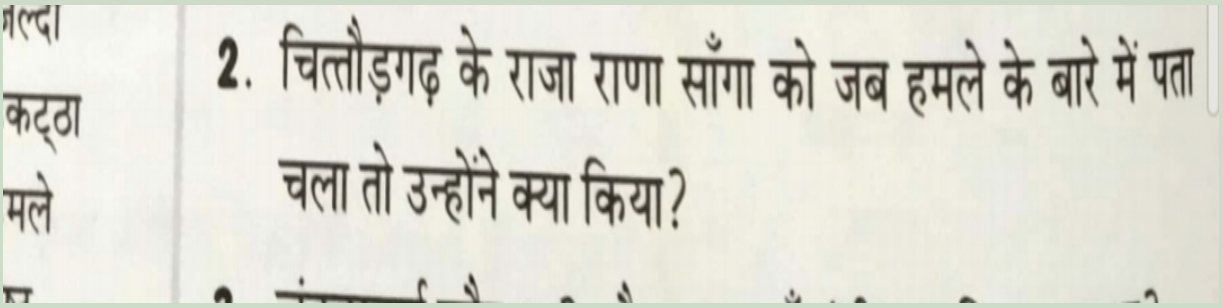
2. चित्तौड़गढ़ के राजा राणा साँगा को जब हमले के बारे में पता चला तो उन्होंने क्या किया?

उत्तर :- चितौड़गढ़ के राजा राणा सांगा को जब हमले के बारे में पता चला तो वे चिंतित होकर शीघ्रता से दिल्ली पहुँचे और पृथ्वीराज से मिलकर उनकी खूब भर्त्सना की ।

Edit with WPS Office

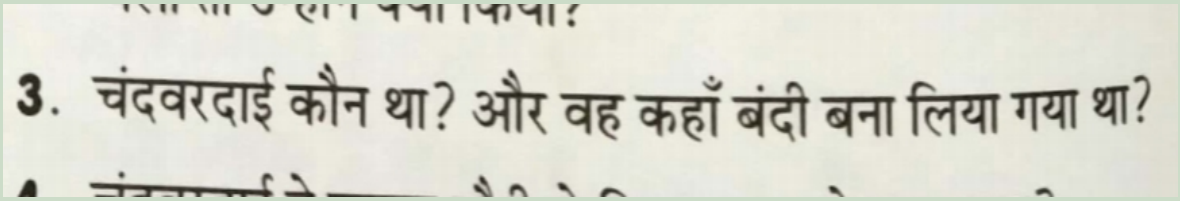
3. चंदवरदाई कौन था? और वह कहाँ बंदी बना लिया गया था?

उत्तर :- चंदवरदाई पृथ्वीराज चौहान के दरबारी और दूत थे ।

वह काँगड़े में बंदी बना लिए गए थे।

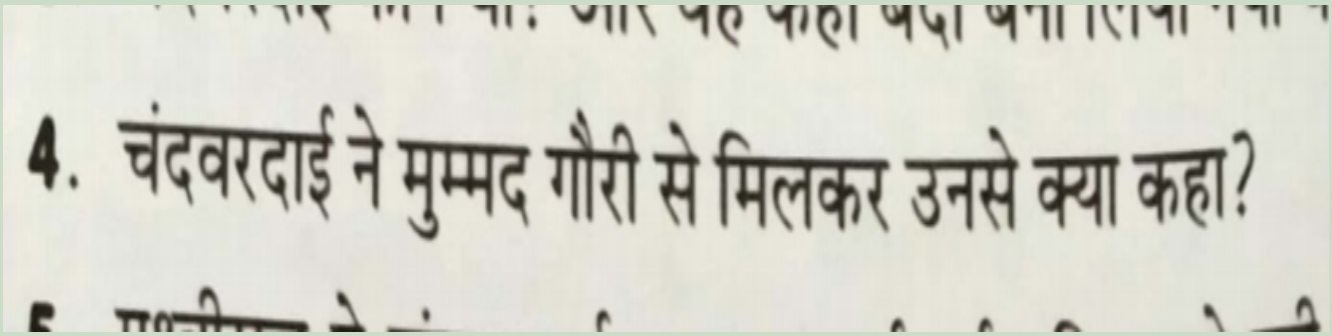
4. चंदवरदाई ने मुम्मद गौरी से मिलकर उनसे क्या कहा?

उत्तर :- चंदवरदाई में मुम्मद गौरी से मिलकर कहा कि वह केवल उस शूरवीर को देखना चाहता था जिसने पृथ्वीराज जैसे वीर को बंदी बनाया था।

मुम्मद गौरी से मिलने के बाद उसकी इच्छा आज पूरी हो गई।

Edit with WPS Office

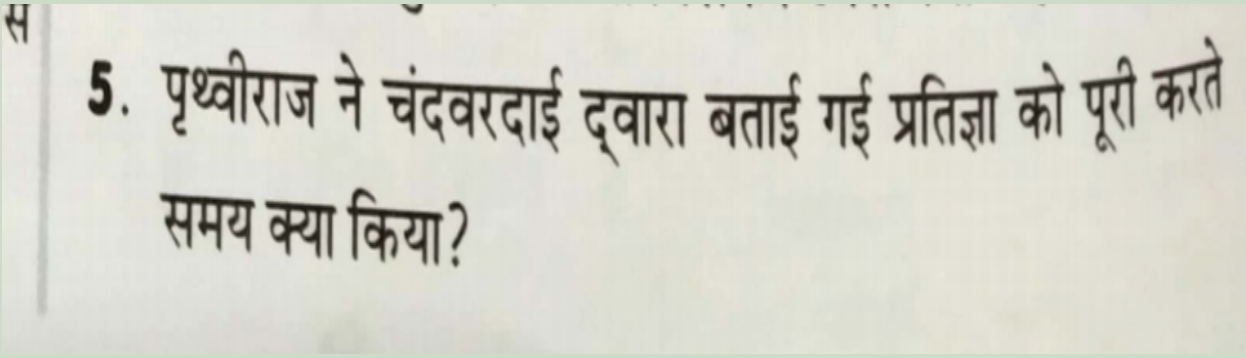

5. पृथ्वीराज ने चंदवरदाई द्वारा बताई गई प्रतिज्ञा को पूरी करते समय क्या किया?

उत्तर :- पृथ्वीराज ने चंदवरदाई द्वारा बताई बताई प्रतिज्ञा पूरी करते समय चंदवरदाई के शब्दवेधी इशारों के आधार पर वाण चलाया और सीधा मुम्मद गौरी के कलेजे को वाण से वेध दिया।मुम्मद गौरी लुढ़क कर भूमि पर गिर पड़ा।

Edit with WPS Office

अतिरिक्त प्रश्न :-

(क) चंदवरदाई बादशाह से मिलने की चेष्टा क्यों कर रहा था ?

उत्तर :- चंदवरदाई बादशाह से मिलने की चेष्टा इसलिए कर रहा था बादशाह के बहाने उसकी मुलाकात पृथ्वीराज से हो जाए।

(ख) चंदवरदाई ने दरबार में बादशाह से क्या कहा ?

उत्तर :- चंदवरदाई में दरबार में बादशाह से पृथ्वीराज के शब्दवेधी वाण द्वारा सात हांडियों को फोड़ने की प्रतिज्ञा के बारे में बताया और अनुरोध किया कि उसे पूरा करने की आज्ञा दी जाए।

Edit with WPS Office

(ग)चंदवरदाई ने दिल्ली आकर क्या देखा?

उत्तर :- चंदवरदाई ने दिल्ली आकर देखा कि उसकी दिल्ली अब उजड़ चुकी थी और उस पर मुम्मद गौरी का कब्ज़ा हो चुका था।

(घ) चंदवरदाई क्यों रो उठा ?

उत्तर :- चंदवरदाई यह देखकर रो उठा कि दिल्ली पर दूसरे बादशाह का अधिकार हो गया था और उसके राजा पृथ्वीराज बंदी बनाकर गज़नी ले जा कर जेल में डाल दिया गया था।

Edit with WPS Office

(ड•) पृथ्वीराज के सेनापतियों ने दिल्ली क्यों छोड़ दी ?

उत्तर :- पृथ्वीराज के सेनापतियों में दिल्ली इसलिए छोड़ दी क्योंकि सम्राट पृथ्वीराज की लापरवाही से पूरा राज्य अय्याशी के रंग में रंगा हुआ था और सेना भी बिखर चुकी थी।

(च) सेना को संगठित करने के लिए पृथ्वीराज ने क्या किया?

उत्तर :- सेना को संगठित करने के लिए पृथ्वीराज ने नाराज़ सेनापतियों को मनाने के लिए दूत भेजे।चंदवरदाई भी उन्ही दूतों में से एक था।